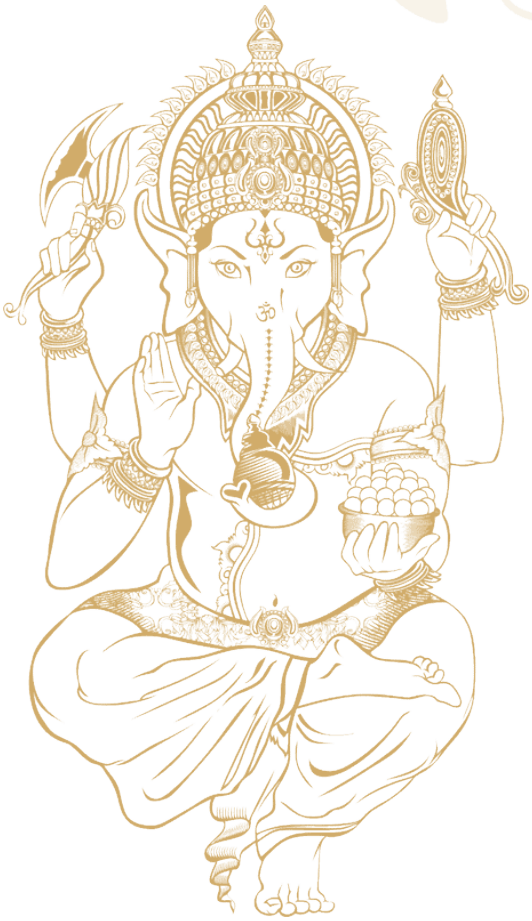

Mr.

Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120495501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120495501 Date: 10/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/12/2025	जन्म तिथि	10/12/2025
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 17:05:00	जन्म समय	17:05:00 घंटे
घटी 25:04:07	जन्म समय(घटी)	25:04:07 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:21	सूर्योदय	07:03:21
17:24:45	सूर्यास्त	17:24:45
24:13:15	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:15
वृष	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
सिंह	राशि	सिंह
सूर्य	राशि-स्वामी	सूर्य
मघा	नक्षत्र	मघा
केतु	नक्षत्र स्वामी	केतु
3	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	विष्कुम्भ
विष्टि	करण	विष्टि
मू-मुकेश	जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	वनचर
मूषक	योनि	मूषक
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	मूषक

Pulak Sagarm Hastrek ,Jyotish & Vastu Paramarsh kendr Dr. Hukum Chand Jain
T-13, Cosmo Tower Jank Ganj Near Hanuman Chauraha, Gwalior pin 474001 M P
Mo 9425187186 ,9302614644
Astrodr. hcjain @gmail.Com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 2वर्ष 8मा 28दि		20:37:19	वृष	लग्न	वृष	20:37:19	केतु 2वर्ष 8मा 28दि	
केतु		24:26:22	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	24:26:22	केतु	
10/12/2025		08:06:19	सिंह	चंद्र	सिंह	08:06:19	10/12/2025	
08/09/2028		02:08:44	धनु	मंगल	धनु	02:08:44	08/09/2028	
	00/00/0000	04:01:42	वृश्चि	बुध	वृश्चि	04:01:42		00/00/0000
	00/00/0000	29:35:00	मिथु व	गुरु व	मिथु	29:35:00		00/00/0000
	00/00/0000	17:54:14	वृश्चि	शुक्र	वृश्चि	17:54:14		00/00/0000
	00/00/0000	01:04:24	मीन	शनि	मीन	01:04:24		00/00/0000
	00/00/0000	18:51:23	कुंभ व	राहु व	कुंभ	18:51:23		00/00/0000
	10/12/2025	18:51:23	सिंह व	केतु व	सिंह	18:51:23		10/12/2025
गुरु	03/08/2026	04:27:07	वृष व	हर्ष व	वृष	04:27:07	गुरु	03/08/2026
शनि	12/09/2027	05:09:07	मीन व	नेप व	मीन	05:09:07	शनि	12/09/2027
बुध	08/09/2028	07:54:06	मक	प्लूटो	मक	07:54:06	बुध	08/09/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

24:13:15 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:15

लग्न-चलित

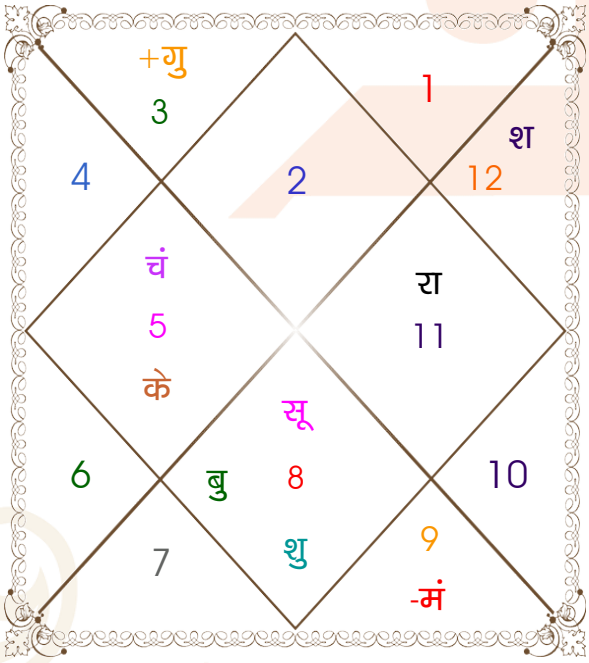

लग्न-चलित

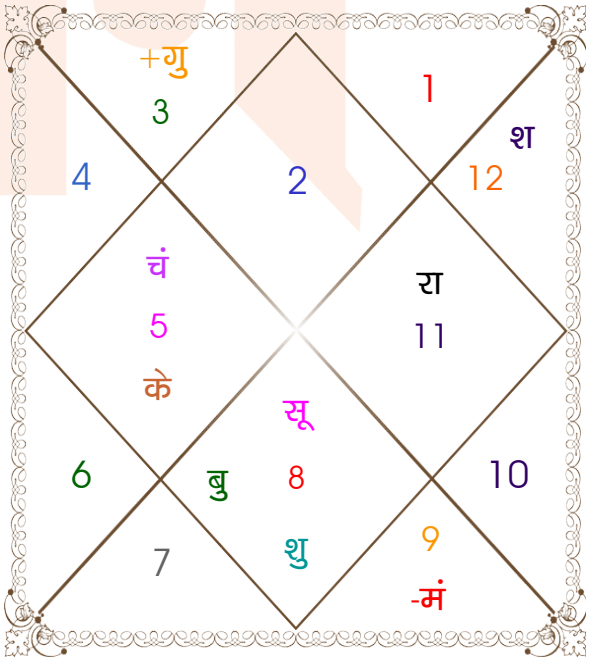

Pulak Sagarm Hastrek ,Jyotish & Vastu Paramarsh kendr Dr. Hukum Chand Jain
T-13, Cosmo Tower Jank Ganj Near Hanuman Chauraha, Gwalior pin 474001 M P
Mo 9425187186 ,9302614644
Astrodr. hcjain @gmail.Com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

कुल : **28 / 36**

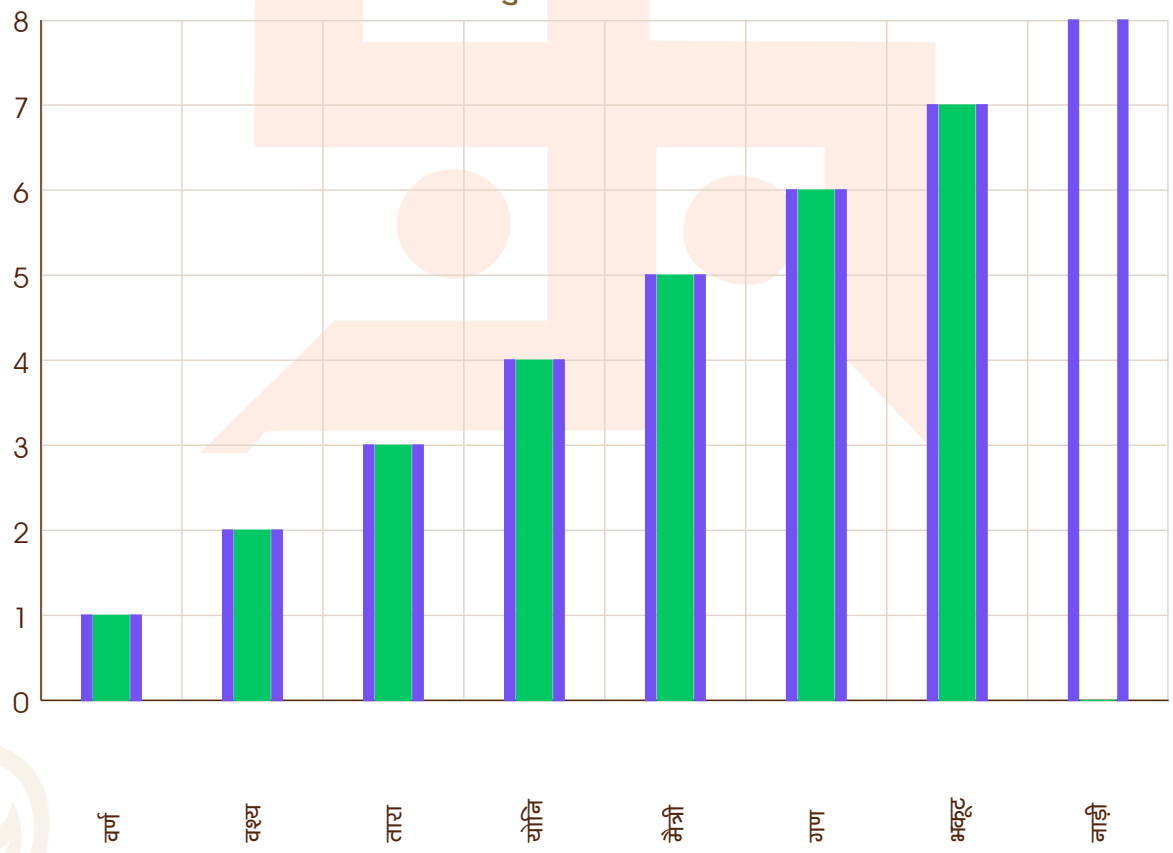

Pulak Sagarm Hastrek ,Jyotish & Vastu Paramarsh kendr Dr. Hukum Chand Jain
T-13, Cosmo Tower Jank Ganj Near Hanuman Chauraha, Gwalior pin 474001 M P
Mo 9425187186 ,9302614644
Astrodr. hcjain @gmail.Com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms. का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Mr. का वश्य वनचर है एवं Ms. का वश्य भी वनचर है। दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। Mr. एवं Ms. दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद एवं व्यवहार एक जैसे होंगे तथा एक-दूसरे के लिए इनमें अगाध प्रेम रहेगा। क्योंकि दोनों स्वभाव से आक्रामक होंगे इसलिये कभी-कभी इनमें परस्पर लड़ाई-झगड़े भी होता रहेगा। Mr. एवं Ms. की संतान आज्ञाकारी, कर्त्तव्य परायण, बुद्धिमान एवं समाज में नाम एवं यश कमाने वाली होगी। दोनों साथी कर्त्तव्यनिष्ठ एवं जिम्मेदार प्रवृत्ति के होंगे। परिवार के सदस्यों की देख-भाल दोनों मिलकर, सहयोग के साथ करते रहेंगे।

तारा

Mr. की तारा जन्म तथा Ms. की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr. की योनि मूषक है तथा Ms. की योनि भी मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के

मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr. का गण राक्षस है तथा Ms. का गण भी राक्षस है। अर्थात Ms. का गण Mr. के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Mr. एवं Ms. दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Mr. एवं Ms. दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Mr. एवं Ms. तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. एवं Ms. की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. और Ms. की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है। इसके प्रभाव से दोनों में स्वभावगत समानताएं रहेंगी तथा एक दूसरे को समझने में पूर्णतया सफल होंगे। अतः इनका दाम्पत्य जीवन अच्छा रहेगा। इस प्रकार सुखी वैवाहिक जीवन की दृष्टि से मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. और Ms. दोनों की राशि का स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से इनके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे। तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह सहानुभूति एवं समर्पण का भाव रहेगा। ये परस्पर गुणों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करेंगे एवं एक सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे। इस प्रकार उत्तम सामंजस्य के कारण Mr. और Ms. का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा। साथ ही सम्मान एवं अस्तित्व के आधार पर एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे।

Mr. और Ms. की जन्म राशियां परस्पर प्रथम प्रभाव भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट कहलाता है। इसके प्रभाव से इनका एक दूसरे के प्रति प्रबल आकर्षण रहेगा तथा Mr. और Ms. दोनों अपने क्षेत्र में योग्य तथा प्रसिद्ध रहेंगे। साथ ही स्वाभाविक प्रवृतियों में भी समानता का भाव रहेगा जिससे विवाद मतभेद्ध या विरोध आदि के अत्यंत कम क्षण आएंगे अन्यथा Mr. और Ms. प्रसन्नता पूर्वक दाम्पत्य जीवन का उपभोग करेंगे।

Mr. और Ms. दोनों का वश्य वनचर है । अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में अनुकूलता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान होंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mr. और Ms. दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः स्वभाव से दोनों पराक्रमी एवं साहसी होंगे तथा साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेंगे। फलतः कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

Mr. और Ms. का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr. और Ms. सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr. को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. और Ms. दोनों का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रबल प्रभाव रहेगा जिससे Ms. का स्वास्थ्य प्रभावित होगा तथा ठण्ड, कफ तथा खांसी आदि से उन्हें समय समय पर परेशानी की अनुभूति होगी। साथ ही गले से संबंधित कष्ट भी हो सकता है। मंगल का भी दोनों के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होने से वे धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे तथा Ms. के गर्भपात की संभावना भी रहेगी एवं Mr. हृदय रोग से असुविधा प्राप्त करेंगे। इस प्रकार मंगल एवं नाड़ी दोष के प्रभाव को देखकर मिलान नहीं करना चाहिए तथापि इसके प्रभाव को अल्प करने के लिए Mr. और Ms. दोनों को हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms. धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms. के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं

ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms. का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Mr. तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Mr. तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Mr. के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Mr. को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Mr. समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Mr. के प्रति अनुकूल ही रहेगा।